संपादकीय

किसान की कमाई

पिछले कुछ समय से देश में कृषि और किसानों का मुद्दा चर्चा में है। अब इस पर आम सहमति है कि देश की कृषि संकट में है, किसान बदहाल होता जा रहा है, लेकिन यह सब एकाएक नहीं हुआ है। ऑर्गनाइजेशन ऑफ इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट (ओईसीडी) और इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनैशनल इकनॉमिक रिलेशंस (आईसीआरईआईआर) के एक अध्ययन के मुताबिक भारत में पिछले दो दशकों से खेती लगातार घाटे का सौदा होती गई है। यानी दो दशकों में किसानों की हालत लगातार खराब होती गई है। अध्ययन में शामिल किए गए 26 देशों में भारत के अलावा यूक्रेन और वियतनाम ही हैं जिनके हालात एक जैसे हैं। अध्ययन में कहा गया है कि 2014-16 के दौरान इन तीनों देशों का कृषि राजस्व ऋणात्मक रहा है। कृषि के लाभप्रद न होने के लिए सरकारी नीति को जिम्मेदार ठहराया गया है। कहा गया है कि भारत में मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने के लिए अनाज की कीमत कम रखने पर जोर दिया गया, जिससे किसानों को कम कीमत मिली। यही नहीं सरकार ने निर्यात को भी नियंत्रित किया और न्यूनतम समर्थन मूल्य भी अंतरराष्ट्रीय कीमत से कम रखा।

स्डटी में यह भी कहा गया है कि सरकार ने सब्सिडी देने के बजाय कृषि में निवेश बढ़ाया होता तो स्थिति बेहतर होती। सचाई यह है कि उदारीकरण की नीति अपनाए जाने के बाद से ही किसान प्राथमिकता में नहीं रहे हैं। ज्यादातर नीतियां औद्योगिक विकास को ध्यान में रखकर बनीं। विकास के नाम पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर किया गया है, जिसकी मार किसानों पर पड़ी है। बाहर से जो पूंजी आई वह उद्योग-धंधों और अन्य क्षेत्रों में ही लगी है। कृषि में निवेश नाममात्र का ही हुआ है। हालांकि यह बात कोई भी सरकार स्वीकार नहीं करती है। उसके पास कृषि क्षेत्र को लेकर बड़े-बड़े वादे और नारे रहते हैं। वह किसानों को संतुष्ट करने के लिए समय-समय पर उनके कर्ज माफ कर देती है पर कृषि क्षेत्र के लिए जिस बुनियादी बदलाव की जरूरत है, वह नहीं करती। वर्तमान सरकार भी 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा कर रही है, पर यह आसान नहीं है और इससे भी समस्या शायद ही सुलझे। अभी बिहार में एक किसान की मासिक आय औसतन 3,558 रुपये तो पश्चिम बंगाल में 3,980 रुपये है। वहीं पंजाब के एक किसान की मासिक आय 18,059 रुपये तक होती है। अगर इसे दोगुना भी कर दिया जाए, तो यह आय अन्य छोटी नौकरियों और मामूली कारोबार की तुलना में बेहद कम है। किसानों की आय कम से कम दूसरे पेशों के बराबर हो, तभी वे खेती से संतुष्ट रहेंगे। किसानों को एमएसपी मिले, इसके लिए अनुकूल खरीद नीति की जरूरत है। अब कई राज्यों में व्यवस्थित मंडियां ही नहीं हैं। वहां खरीदारी का समुचित प्रबंध किया जाए। इसके अलावा किसानों के लिए आय का दूसरा जरिया भी उपलब्ध कराना होगा।

कच्चे तेल की आसन्न मुसीबतें

इसी माह कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले 13 देशों के संगठन आर्गेनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) के द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में लगभग 10 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) तक या वैश्विक आपूर्ति में एक प्रतिशत इजाफा करने हेतु लिए गए निर्णय से तेल की कीमतों में मामूली कमी जरूर आएगी। लेकिन हाल ही में अमेरिका ने कठोरता के साथ जिस तरह भारत और चीन सहित सभी देशों को ईरान से कच्चे तेल का आयात 4 नवंबर तक बंद करने के लिए कहा है, उससे भारत के समक्ष ईरान की तरह तेल की सस्ती आपूर्ति के लिए नए देशों को ढूंढने का सवाल खड़ा हो गया है। भारत में इराक और सऊदी अरब के बाद सबसे ज्यादा कच्चा तेल ईरान से मंगाया जाता है। वर्ष 2017-18 में अप्रैल से जनवरी तक के 10 महीनों में भारत ने ईरान से 184 लाख टन तेल का आयात किया था। ईरान को भारत द्वारा यूरोपीय बैंकों के माध्यम से यूरोपीय देशों की मुद्रा यूरो में भुगतान किया जाता है। डॉलर की तुलना में यूरो में भुगतान भारत के लिए लाभप्रद है। ईरान से किया जाने

वाला कच्चे तेल का आयात सस्ते परिवहन के कारण भारत के लिए फायदेमंद है। इतना ही नहीं, भारत के लिए ईरान से तेल खरीदना इसलिए भी लाभप्रद है क्योंकि ईरान भारत को भुगतान के लिए 60 दिनों का क्रेडिट देता है, जबकि दूसरे देश 30 दिन का ही क्रेडिट देते हैं। ऐसे में कच्चे तेल की नई आपूर्ति का सवाल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें देश के आम आदमी से लेकर सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का सबसे प्रमुख कारण हैं। चूंकि भारत अपने तेल की कुल जरूरत का करीब 82 फीसदी आयात करता है, इसलिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना शुरू हो गया है। प्रमुखतया कच्चे तेल के बढ़ते मूल्य के कारण 29 जून को डॉलर की तुलना में रुपया 69 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है कि डॉलर की तुलना में रुपया 72 के स्तर को भी छू सकता है। ऐसे में महंगे कच्चे तेल के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमत में 3 से 4 रुपए प्रति लीटर वृद्धि हो सकती है। विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा है कि इस साल 2018 में कच्चे तेल की कीमतें भारत की अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का सबब बन सकती हैं। इस साल 2018-19 में तेल आयात बिल 20 प्रतिशत बढ़कर 100 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा जो वित्त वर्ष 2017-18 के 88 अरब डॉलर से ज्यादा होगा। हाल ही में दुनिया के ख्यातिप्राप्त निवेश बैंकों-बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच, मार्गन स्टेनली और ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने अपनी रिपोर्टों में कहा है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भारत में महंगाई बढ़ेगी, उपभोक्ताओं की परेशानियां और अर्थव्यवस्था की मुश्किलें बढ़ेंगी।

ब्रेग्जिट पर टकराव

ब्रेग्जिट के सवाल पर टरीसा मे मंत्रिमंडल के दो सदस्यों का अचानक आया इस्तीफा इस तथ्य को एक बार फिर रेखांकित करता है कि ब्रिटेन बड़े नाजुक दौर से गुजर रहा है। दो साल पहले हुए जनमत संग्रह में ब्रिटेन के मतदाताओं ने मामूली अंतर से यूरोपियन यूनियन (ईयू) छोड़ने का जो फैसला दिया था, उसने ब्रिटेन के सामने कई तरह की मुश्किलें खड़ी कर दीं।

मगर लोकतंत्र में जनादेश से ऊपर कुछ नहीं होता। इसी भावना के तहत प्रधानमंत्री टरीसा मे ऐसी राह निकालने के कठिन कार्य में लगी थीं जिससे जनादेश का मान भी रहे और देश की अर्थव्यवस्था का भी भट्ठा न बैठे। उनकी कोशिश थी कि देश ईयू से अलग तो हो पर यह प्रक्रिया कुछ इस तरह से चलाई जाए कि दोनों पक्षों में न्यूनतम सहमति बनी रहे और सहयोग के कुछ ऐसे नए रास्ते निकाल लिए जाएं जो ब्रेग्जिट के संभावित नुकसानों को कम करने में मददगार हों। मगर उनकी सरकार के अंदर एक पक्ष ऐसे लोगों का था जो बीच की राह निकालने के उनके इरादे से सहमत नहीं थे। उनकी राय अब भी यही थी कि ब्रेग्जिट का मतलब है ईयू से पूर्ण अलगाव।

ऐसे में प्रधानमंत्री टरीसा मे ने जब कुछ दिन पहले घोषणा की कि उन्होंने ब्रेग्जिट को अमल में लाने के तरीकों पर अपने मंत्रिमंडल के वरिष्ठ सदस्यों की सहमति हासिल कर ली है तो इसे उनकी बड़ी कामयाबी माना गया। मगर ताजा इस्तीफों ने इस पर सवालिया निशान लगा दिया है।

ब्रेग्जिट मामलों के मंत्री डेविड डेविस ने इस्तीफा देते हुए कहा कि वह ईयू से करीबी संबंध बनाए रखने की 'प्रधानमंत्री की योजना का समर्थन नहीं कर सकते।'

गुड लोन-बैड लोन थेरेपी

विलास जोशी

आजकल स्कूलों में छोटे बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में बताया जा रहा है, ताकि वे यह जान सकें कि किस अंकल का स्पर्श 'गुड' है और किसने उसे बुरी नीयत से स्पर्श किया है। सरकारी बैंकों में भी कुछ ऐसा ही सिलसिला चल पड़ा है। बैंकों से वितरित किए जाने वाले लोन को भी अब दो श्रेणियों में बांट दिया गया है। प्रथम, गुड लोन और दूसरा बैड लोन।

सरकारी बैंकों में 'गुड लोन' उसे माना जाता है, जिसमें कर्जदार अपनी 'ईएमआई' हर महीने, नियत समय, नियत दिनांक को जमा कराए। ऐसे कर्जदारों को बैंकों की गुड बुक में रखा जाता है।

सरकारी बैंकों में लोन की दूसरी श्रेणी है 'बैड लोन।' इसमें वे कर्जदार शामिल होते हैं जो बैंकों के महाप्रबंधकों और प्रबंधकों को खुश करके करोड़ों रुपयों के लोन मंजूर करवा लेते हैं। उस राशि को मौका-बेमौका देखकर अपने विदेशी खातों में ट्रांसफर करवा लेते हैं और एक दिन वे रातों रात विदेश रवाना हो जाते हैं। फिर वे न तो अपनी ईएमआई जमा करते हैं, न ही बैंकों से मिलने वाले लोन वसूली नोटिस ही रिसीव करते हैं। बैंक उनके विरुद्ध कोर्ट में जाती है तो वे कोर्ट के समन तक को अपनी पीठ दिखाने से बाज नहीं आते। ऐसी फंसी राशि को सरकारी भाषा में 'बैड लोन' कहा जाता है।

ऐसे बैड लोन प्राप्त करने वाले 'बाहुबली लोग' होते हैं और उनके हाथ सरकार और मंत्रियों तक पहुंचे हुए होते हैं। आजकल दो बड़े लोग आपस में मिलते हैं तब उनमें कुछ इस प्रकार बातचीत होती है = 'अरे यार, तुम विदेश जाने वाले थे, उसका क्या हुआ।' फिर दूसरा जवाब देता है कि यार देख, मेरी सारी तैयारी पूरी है। एक सरकारी बैंक में पांच सौ करोड़ का लोन लेने के लिए सारी जुगाड़ भी जमा ली है।

पूंजीवाद की जमीन पर लाल सलाम

सहज विश्वास नहीं होता कि डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के पड़ोसी देश मेक्सिको में वामपंथी रुझान की सरकार सत्ता में आई है। मगर यह हकीकत है कि मेक्सिको की जनता ने आंद्रेस मेनुएल लोपेज़ ओब्राडोर को पहली बार लाल सलाम किया है जो अमेरिका के लिये भी चिंता का विषय हो सकता है। वैसे तो मेक्सिको में पहली बार वाम रुझान की सरकार आने के मूल में देश में व्याप्त भ्रष्टाचार, आर्थिक असमानता व नशा माफिया के गैंगवार से उपजी हिंसा का प्रतिरोध है, मगर डोनाल्ड ट्रंप भी इस बदलाव की बड़ी वजह हैं। वे लगातार जिस तरीके से मेक्सिको के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं, उसने देश के दस में से आठ लोगों को ट्रंप का विरोधी बना दिया है।

भरोसे का निर्वाह

किसी नगर में एक डाकू रहता था। वह लूटपाट करता और कुछ धन गरीबों में बांट देता और कुछ अपने पास रखता था। एक दिन कुछ व्यापारियों का समूह उसके इलाके से गुजरा। व्यापारियों को डाकुओं ने घेर लिया। तभी एक व्यापारी, डाकुओं से नजर बचाकर दूर पेड़ की आड़ में छिप गया। वहीं नजदीक एक साधू माला जप रहे थे। व्यापारी ने अपने पैसों की थैली साधू को संभालने के लिए दे दी। साधु ने कहा-तुम निश्चिंत हो जाओ, तुम्हारा धन कहीं नहीं जाएगा।

वह व्यापारी अपने साथियों के पास आ गया। उन डाकुओं ने व्यापारियों को लूट लिया। उस व्यापारी ने सोचा कि उसके पैसे सुरक्षित हैं। बाद में वह उस साधू के पास पहुंचा। दरअसल वो डाकुओं का सरदार था जो डाकुओं के साथ लूटे पैसों को बांट रहा था। व्यापारी यह स्थिति देख निराश हो गया। तब साधू वेशधारी डाकू ने कहा-रुको, तुमने जो रुपयों की थैली रखी थी, वह ज्यों की त्यों है। तुम इसे ले जा सकते हो। उस डाकू का आभार मानकर वह व्यापारी चला गया। तब उस डाकू के साथियों ने पूछा-सरदार आपने आया हुआ धन क्यों जाने दिया? सरदार ने कहा-उस व्यापारी ने मुझे भगवान का भक्त मानकर भरोसे के साथ थैली दी थी। उसी कर्तव्यभाव से मैंने उसे थैली वापस दे दी। मैंने उसका विश्वास टूटने नहीं दिया।

सोया मंचूरियन

सोयाबीन्स	1 कप
कॉर्नफ्लोर	2 बड़े चम्मच
लाल मिर्च पाउडर	1/2 बड़े चम्मच
काली मिर्च पाउडर	1/4 बड़े चम्मच
प्याज	1 बारीक कटा हुआ
शिमला मिर्च	1 कटा हुआ
चिल्ली सॉस	2 बड़े चम्मच
सोया सॉस	1 1/2 बड़े चम्मच
लहसुन	1 बारीक कटा हुआ
अदरक	1 बारीक कटा हुआ
हरा प्या?	बारीक कटा हुआ
हरी मिर्च	2
टोमेटो सॉस	1 बड़ा चम्मच

विधि : सोयाबीन को पहले गरम पानी में डालकर 3 4 मिनट तक भिगो कर रख लें। इसके बाद इसे पानी से निचोड़ कर निकाल कर अलग कर लें। अब इसमें कॉर्नफ्लोर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर डाल कर अच्छी तरह मिला कर 10 मिनट तक साइड में रख लीजिये। प्याज और हरी मिर्च को बारीक काट लीजिये। शिमला मिर्च को थोड़ा बड़े टुकड़ो में काट लीजिये। अब कढ़ाई में 1 चम्मच तेल डाल कर उसमे सोयाबीन्स डालकर हल्का

भून कर निकाल लीजिये। अब उसी कढ़ाई में तेल डाल कर गरम कीजिये। अब उसमे बारी? कटा हुआ अदरक और लहुसन डालकर भुने। उसके बाद बारीज कटा हुआ प्याज और हरी मिर्च डाल कर पकाये। अब शिमला मिर्च डाल कर 1 मिनट तक पकाये। अब सोया सॉस, चिल्ली सॉस, टोमेटो सॉस, नमक डाल कर अच्छी तरह मिला लीजिय। अब 1/4 कप पानी डाल कर ग्रेवी गाढ़ा होने तक पकाये। अब उसमे सोया बीन डाल कर 1 मिनट तक पकाये। अब बारीक कटा हुआ हरा प्याज मिलाकर गैस बन्द कर लीजिये। गरमा गरम सोया मंचूरियन तैयार।

शब्द सामथर्य

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

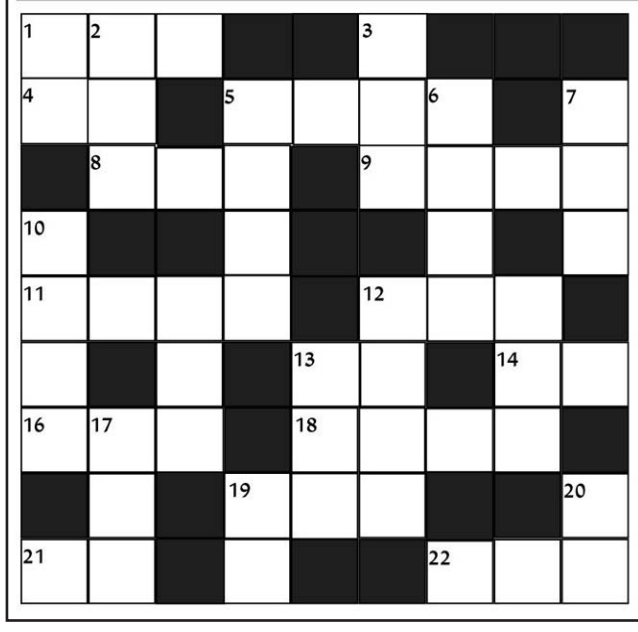

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 65 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

सू-दोकू

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.65 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

राशिफल

मेषः दिन की शुरुआत में कुछ मानसिक दुविधा हो सकती है। लेकिन आप समाधानकारी व्यवहार अपनाकर दिक्क तें हल कर लेंगे। आज मधुरवाणी और भाषा से आप किसी को भी मना सकेंगे। नए कार्य का प्रारंभ न करने की सलाह है।

वृषभः आपके लिए मध्यम फलदायी है। आपको शारीरिक तथा मानसिकरुप से स्फूर्ति और आनंद का अनुभव होगा। आपकी कलात्मक शक्ति यों में वृद्धि हो सकती है। कार्य उत्साह और चौकसी से करेंगे। लेकिन मध्याह्न के बाद आपका मानसिक रूप से कुछ परेशान हो सकते हैं। आवश्यक निर्णय इस समय न लेने की सलाह है।

मिथुनः आपका आज का दिन मिश्रित फलदायी है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता बरतें। किसी भी तरह की बहस से बचें। मध्याह्न के बाद उत्साह का अनुभव होगा। परिवार में भी प्रेमपूर्ण माहौल बनेगा। आर्थिक लाभ की संभावनाएं हैं। उलझनों के आने पर घबराएं नहीं।

कर्कः आज आपके लिए व्यावसायिक क्षेत्र में लाभदायी समय है। स्त्रीवर्ग से लाभ होने का भी योग हैं। मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा। मध्याह्न के बाद कोई चिंता सता सकती है, इसे खुद पर हावी न होने दें और व्यवहार पर नियंत्रण रखें। वाणी पर संयम रखना जरूरी है, नहीं तो कार्य अधूरे रह सकते हैं। खर्च बढ़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंहः आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। व्यवसाय और व्यापार करनेवालों के लिए आज का दिन लाभदायी है। व्यापार में वृद्धि होगी। परिजनों तथा मित्रों के साथ आनंदपूर्वक पलों को मनाएंगे। स्त्रीवर्ग से लाभ होने की भी संभावना है। संतान की ओर से भी लाभ मिलेगा। छोटे प्रवास के लिए परिस्थिति अनुकूल होगी। दांपत्यजीवन में आनंद रहेगा।

कन्याः गणेशजी कहते हैं कि नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय अनुकूल है। आज आपके भीतर कुछ अधिक धार्मिकता रहेगी। कार्यालय या व्यावसायिक स्थल पर कार्य भार अधिक हो सकता है। विदेश जाने के इच्छुक लोगों का काम बन सकता है। मध्याह्न के बाद नए कार्य का आयोजन कर सकेंगे।

तुलाः खान-पान में आज विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। बेहतर होगा कि आज कोई नया कार्य शुरू न करें। कार्य की अधिकता आपको मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान कर सकती है। यात्राओं से बचना ही बेहतर होगा। मध्याह्न के बाद स्थितियां आपके पक्ष में बनेगीं।

वृश्चिकः पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। छोटे से प्रवास का भी योग है। मध्याह्न के बाद स्वास्थ्य को लेकर विशेष सतर्कता बरतें। मानसिकरूप से कुछ व्यग्रता का भी अनुभव कर सकते हैं। मध्याह्न के बाद नए कार्य प्रारंभ न करने की सलाह है। प्रवास में भी विघ्न आ सकता है।

धनुः आज का दिन शुभफलदायी है। शरीर और मन से अस्वस्थ रहते हुए भी आप अपने अपूर्ण कार्यों को पूर्ण कर सकेंगे। आर्थिक आयोजन भी बहुत अच्छी तरह से कर सकेंगे। कार्यालय में सहकर्मियों का सहयोग आपको मिलेगा। परिजन और मित्रों की घनिष्ठता में वृद्धि होगी। दांपत्यजीवन आनंददायी रहेगा।

मकरः वैचारिक स्तर पर विशालता और मधुरवाणी से आप किसी को भी प्रभावित कर सकेंगे। वाणी की मधुरता आपको नए संबंध बनाने में भी काम आएगी। आर्थिक आयोजन भी आज आप अच्छी तरह से कर सकेंगे। आज का पूरा दिन आनंद के साथ बीतेगा। नौकरी में सहकर्मियों का सहकार मिलेगा।

कुंभः आज आप आपके प्रत्येक कार्य को आत्मविश्वासपूर्वक ठीक तरह से संपन्न कर सकेंगे। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। पैतृक संपत्ति से लाभ होगा। वाहन, मकान आदि के पत्रों से संबंधित कार्यवाही में सावधानीपूर्वक आगे बढ़ें। आपकी वैचारिक समृद्धि में वृद्धि होगी।

मीनः आज आप मानसिक रूप से हल्कापन महसूस करेंगे। आनंद और उत्साह में भी वृद्धि होगी। कौटुंबिक तथा आर्थिक विषयों पर आप अधिक ध्यान देंगे। आप किसी भी कार्य को दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ कर पाएंगे। पितृपक्ष से लाभ होने की भी संभावना है।